Padma Shri Honours to Rajasthan's Cultural and Social Personalities

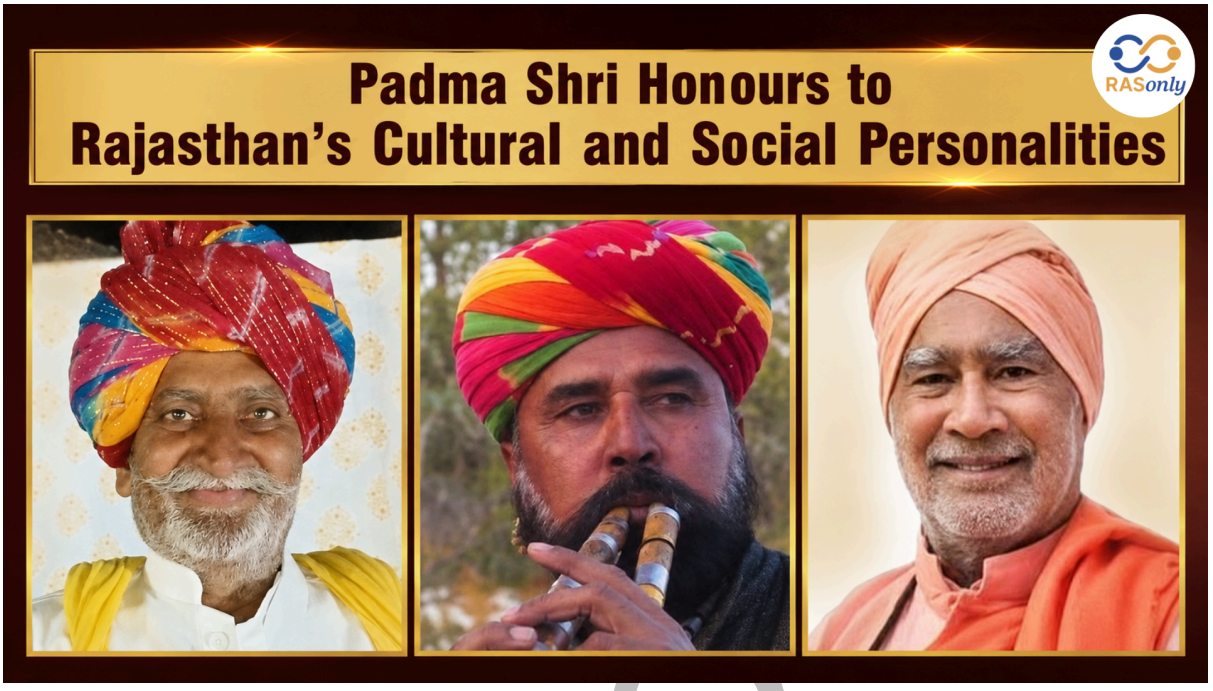

Rajasthan Assembly Speaker Vasudev Devnani congratulated the three individuals Gafaruddin Mewati Jogi, Tagaram Bhil and Swami Brahmdev Maharaj who received the Padma Shri award from President Droupadi Murmu at the investiture ceremony at Rashtrapati Bhavan. He said that this recognition is a matter of pride for the whole state as it is to pay respect to the tradition of social service, folk music and culture of the state. Gafaruddin Mewati Jogi has been engaged in the preservation of endangered folk art of Bhapang playing and Tagaram Bhil has popularised Rajasthan's folk songs by playing Algoza. Swami Brahmdev Maharaj has been honoured for his service to society and welfare of mankind.

This is the main highlights of the Honour.

Padma Shri has been given to three personalities from Rajasthan.

- The winners are Gafaruddin Mewati Jogi, Tagaram Bhil and Swami Brahmdev Maharaj.
- President Droupadi Murmu at Rashtrapati Bhavan honored him with the honour.
- Vasudev Devnani said it was an auspicious occasion for Rajasthan.

In recognition, the folk culture, folk music and the tradition of service are recognized with Rajasthan folk culture.

- Gafaruddin Mewati Jogi is related to the folk instrument of Bhapang.

- Algoza is the domain of folk songs that Tagaram Bhil is renowned for taking to national and international stages in Rajasthan.
- Swami Brahmdev Maharaj has served the society and human welfare.

Significance for Rajasthan

Cultural Importance

- Honour helps in promoting the national recognition of folk traditions of Rajasthan.
- It brings awareness on endangered folk art like Bhapang playing.
- It raises awareness on traditional folk instruments and oral cultural heritage.
- It helps the younger generation to relate to their heritage and traditions.

Social Importance

- In the case of Swami Brahmdev Maharaj, it's the recognition of the importance of service oriented work.
- These personalities play a role in promoting positive social changes in their contribution.
- The honour does not only recognise the success of an individual but also of the entire society of Rajasthan.

Exam Relevance for RAS

- Very helpful for art, culture and society of Rajasthan for current affairs.
- Important for Questions related with Padma Awards and folk traditions of Rajasthan.
- Both Bhapang and Algoza can be included in the Rajasthan Art and Culture sections.
- The topic relates cultural preservation and folk music to social service and state pride.

Conclusion

Gafaruddin Mewati Jogi, Tagaram Bhil, Swami Brahmdev Maharaj's Padma Shri honours show the robustness of the culture and serving philosophy of Rajasthan. It honors those who have recorded folk songs and ensured the survival of traditional instruments and the contributions they have made to social welfare. This will motivate the upcoming generations to appreciate the roots, traditions and social responsibilities of Rajasthan.

MCQs

1. Which three personalities from Rajasthan were congratulated by Assembly Speaker Vasudev Devnani for receiving the Padma Shri honour?

RASonly

a) Gafaruddin Mewati Jogi, Tagaram Bhil and Swami Brahmdev Maharaj
b) Gafaruddin Mewati Jogi, Vijaydan Detha and Komal Kothari
c) Tagaram Bhil, Allah Jilai Bai and Swami Brahmdev Maharaj
d) Swami Brahmdev Maharaj, Kanhaiyalal Sethia and Tagaram Bhil

Answer: a) Gafaruddin Mewati Jogi, Tagaram Bhil and Swami Brahmdev Maharaj

Explanation : Rajasthan Assembly Speaker Vasudev Devnani congratulated Gafaruddin Mewati Jogi, Tagaram Bhil and Swami Brahmdev Maharaj for being bestowed with the Padma Shri honour by President Droupadi Murmu at Rashtrapati Bhavan.

2. What is the folk tradition that is endangered and has been recognised for being kept alive by 2. Gafaruddin Mewati Jogi?

a) Mand singing

b) Bhapang playing

c) Kathputli performance

d) Terah Taali dance

Answer: b) Bhapang playing

Explanation – Bhapang playing is an endangered folk tradition which is preserved by Gafaruddin Mewati Jogi. His contribution is a factor in the preservation of traditional folk music forms of Rajasthan and its culture.

3. Why, Vasudev Devnani, said the Padma Shri award was an honour for the people of Rajasthan?

a) Because it recognised Rajasthan’s industrial development
b) Because it honoured Rajasthan’s folk culture, folk music and social service tradition
c) Because it was related to a new tourism policy
d) Because it focused only on sports achievements

Answer: b) It celebrated the folk culture, folk music and social service tradition of Rajasthan.

Explanation : Addressing the gathering, Padma Shri awardee Vasudev Devnani said that it is a proud moment for the Rajasthan personalities as it is a great honour for the state's rich folk culture, folk music and social service tradition to be recognised on the national platform.

RASonly

राजस्थान की सांस्कृतिक और सामाजिक विभूतियों को पद्मश्री सम्मान

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने गफरुद्दीन मेवाती जोगी, तगाराम भील और स्वामी ब्रह्मदेव महाराज को पद्मश्री सम्मान मिलने पर बधाई दी। यह सम्मान राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा प्रदान किया गया। श्री देवनानी ने कहा कि यह सम्मान पूरे राजस्थान के लिए गौरव का विषय है, क्योंकि इससे राज्य की लोक संस्कृति, लोक संगीत और समाज सेवा की समृद्ध परंपरा को राष्ट्रीय पहचान मिली है। गफरुद्दीन मेवाती जोगी ने भपंग वादन की विलुप्तप्राय लोक परंपरा को जीवित रखा है, जबकि तगाराम भील ने अलगोजा वादन के माध्यम से राजस्थान की लोकधुनों को देश-विदेश तक पहुंचाया है। स्वामी ब्रह्मदेव महाराज को समाज सेवा और मानव कल्याण के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया है।

सम्मान की मुख्य विशेषताएं

• राजस्थान की 3 प्रतिभाओं को पद्मश्री सम्मान मिला।

• सम्मानित व्यक्तित्व गफरुद्दीन मेवाती जोगी, तगाराम भील और स्वामी ब्रह्मदेव महाराज हैं।

• यह सम्मान राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा राष्ट्रपति भवन में प्रदान किया गया।

• श्री वासुदेव देवनानी ने इसे राजस्थान के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

• यह सम्मान राजस्थान की लोक संस्कृति, लोक संगीत और सेवा परंपरा को राष्ट्रीय पहचान देता है।

• गफरुद्दीन मेवाती जोगी भपंग लोक वाद्य परंपरा से जुड़े हैं।

• तगाराम भील अलगोजा वादन के माध्यम से राजस्थान की लोकधुनों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक ले जाने के लिए प्रसिद्ध हैं।

• स्वामी ब्रह्मदेव महाराज ने समाज सेवा और मानव कल्याण के क्षेत्र में योगदान दिया है।

राजस्थान के लिए महत्व

सांस्कृतिक महत्व

• यह सम्मान राजस्थान की लोक परंपराओं की राष्ट्रीय पहचान को मजबूत करता है।

• इससे भपंग वादन जैसी विलुप्तप्राय लोक कलाओं के प्रति जागरूकता बढ़ती है।

• यह पारंपरिक लोक वाद्यों और मौखिक सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को बढ़ावा देता है।

• इससे नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और परंपराओं से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

सामाजिक महत्व

• स्वामी ब्रह्मदेव महाराज का सम्मान सेवा-प्रधान कार्यों के महत्व को दर्शाता है।

• ऐसे व्यक्तित्व अपने योगदान से समाज में सकारात्मक परिवर्तन को प्रेरित करते हैं।

RASonly

• यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि राजस्थान की सामूहिक सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान का सम्मान है।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा के लिए महत्व

• यह विषय राजस्थान की समसामयिक घटनाओं में कला, संस्कृति और समाज से जुड़ा हुआ है।

• पद्म पुरस्कारों और राजस्थान की लोक परंपराओं से जुड़े प्रश्नों के लिए महत्वपूर्ण है।

• भपंग और अलगोजा राजस्थान की कला एवं संस्कृति खंड में पूछे जा सकते हैं।

• यह विषय सांस्कृतिक संरक्षण, लोक संगीत, समाज सेवा और राज्य गौरव को आपस में जोड़ता है।

निष्कर्ष

गफरुद्दीन मेवाती जोगी, तगाराम भील और स्वामी ब्रह्मदेव महाराज को मिला पद्मश्री सम्मान राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत और सेवा परंपरा की मजबूती को दर्शाता है। यह सम्मान उन व्यक्तित्वों को पहचान देता है, जिन्होंने लोक संगीत, पारंपरिक वाद्यों और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को राजस्थान की जड़ों, परंपराओं और सामाजिक जिम्मेदारियों को समझने की प्रेरणा देगी।

प्रश्न

1. राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने पद्मश्री सम्मान प्राप्त करने वाली किन 3 राजस्थान की प्रतिभाओं को बधाई दी?

A) गफरुद्दीन मेवाती जोगी, तगाराम भील और स्वामी ब्रह्मदेव महाराज
B) गफरुद्दीन मेवाती जोगी, विजयदान देथा और कोमल कोठारी
C) तगाराम भील, अल्लाह जिलाई बाई और स्वामी ब्रह्मदेव महाराज
D) स्वामी ब्रह्मदेव महाराज, कन्हैयालाल सेठिया और तगाराम भील

उत्तर: A) गफरुद्दीन मेवाती जोगी, तगाराम भील और स्वामी ब्रह्मदेव महाराज

व्याख्या: राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने गफरुद्दीन मेवाती जोगी, तगाराम भील और स्वामी ब्रह्मदेव महाराज को पद्मश्री सम्मान मिलने पर बधाई दी। यह सम्मान राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा प्रदान किया गया।

---

2. गफरुद्दीन मेवाती जोगी को किस विलुप्तप्राय लोक परंपरा को जीवित रखने के लिए जाना जाता है?

A) मांड गायन
B) भपंग वादन
C) कठपुतली प्रदर्शन
D) तेरहताली नृत्य

उत्तर: B) भपंग वादन

RASonly

व्याख्या: गफरुद्दीन मेवाती जोगी ने भपंग वादन की विलुप्तप्राय लोक परंपरा को जीवित रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका कार्य राजस्थान की पारंपरिक लोक संगीत विरासत और लोक वाद्य परंपराओं के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है।

---

3. श्री वासुदेव देवनानी ने पद्मश्री सम्मान को राजस्थान के लिए गौरव का विषय क्यों बताया?

A) क्योंकि यह राजस्थान के औद्योगिक विकास से जुड़ा था
B) क्योंकि इससे राजस्थान की लोक संस्कृति, लोक संगीत और समाज सेवा परंपरा का सम्मान हुआ
C) क्योंकि यह नई पर्यटन नीति से संबंधित था
D) क्योंकि यह केवल खेल उपलब्धियों से संबंधित था

उत्तर: B) क्योंकि इससे राजस्थान की लोक संस्कृति, लोक संगीत और समाज सेवा परंपरा का सम्मान हुआ

व्याख्या: श्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान की प्रतिभाओं को मिला पद्मश्री सम्मान राज्य के लिए गौरव का विषय है, क्योंकि इससे राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति, लोक संगीत और समाज सेवा की परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

International Recognition to Rajasthan Minister Dr. Manju Baghmar by World Book of Records, London

RASonly

International recognition is received by Minister of State for Woman and Child Development Dr. Manju Baghmar from World Book of Records, London in the state of Rajasthan. She has been specially invited to the 10th Award Summit, which will be held on 26 June 2026 at the Palace of Westminster in the British Parliament. Sushil Gaikwad, Vice President of World Book of Records, London personally presented the invitation and honour. Dr. Baghmar's efforts in the fields of education, social service, women empowerment and public welfare were appreciated. This worldwide platform is being celebrated as a pride of Rajasthan and India for her.

The key highlights of the Recognition are:

- Dr. Manju Baghmar is the Minister of State for the Women and Child Development in the Government of Rajasthan.
- She has been invited by the World Book of Records, London.
- The 10th Award Summit will take place on 26 June 2026.
- The venue for the ceremony will be the Palace of Westminster, British Parliament in London.
- The honour and invitation was given by Sushil Gaikwad, Vice President of the World Book of Records, London, personally.
- Her contributions towards education, social service, women empowerment and welfare of the public were acknowledged.
- In the past, Chief Minister of Rajasthan, Bhajan Lal Sharma had also received the same international recognition.
- The ceremony will be attended by ministers, diplomats, educationists, social leaders and personalities from all over the world.

Contributions of Dr. Manju Baghmar

Educational Contribution

Dr. Manju Baghmar was a Professor at Mohanlal Sukhadia University, Udaipur.

Her work and commitment to education and guidance of students are well recognised.

She started some campaigns to connect education to social awareness.

Social and Public Welfare Contribution

- Despite her active political engagement, Dr. Baghmar has been involved with social issues.
- She has had experience in Women's education, Child development and social awareness.
- She has also been a part of campaigns for the underprivileged.
- Her ability to lead with sensitivity and concern for the community brought her national and international fame.

RASonly

Significance for Rajasthan

- Governance and social significance.
- The recognition marks Rajasthan's rise on the international stage.
- It draws focus on the importance of women to leadership in the public sphere.
- It highlights the need for education, social service and women empowerment linkages.
- It also enhances the image of the public representatives of Rajasthan at international platform.

Exam Relevance for RAS

- Very useful for current affairs of Rajasthan for governance and social sector.
- Important for questions concerning women empowerment and public leadership.
- Can be correlated with themes in women and child development, education and social welfare.
- The venue, date and organisation may be significant factual elements of the prelims.

Conclusion

Dr. Manju Baghmar's achievement of getting international recognition by the World Book of Records, London is a proud moment for Rajasthan. Her appearance at the 10th Award Summit at the Palace of Westminster is a testament to her dedication to education, women empowerment, social service and public welfare. This is also a recognition of the growing global significance of Rajasthan to take the lead.

MCQs

- The World Book of Records, London has specially invited for which event Dr. Manju Baghmar?

A) Global Women Leadership Forum

B) 9th Medal Award Ceremony

C) International Conference for Education

D) Social Service Summit of the Commonwealth.

Answer: B) 10th Award Summit

Explanation : Dr. Manju Baghmar, Minister of State for Women and Child Development, Rajasthan is being specially invited by the World Book of Records, London to attend its 10th Award Summit. This will take place on 26 June 2026 in the British Parliament at the Palace of Westminster.

RASonly

2. In which city will the 10th Award Summit of the “World Book of Records, London” be held?

A) Rashtrapati Bhawan, New Delhi

B) Central Computer Systems, New York

C) Parliament Square

D) Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

Answer: C) British Parliament (Palace of Westminster)

Explanation : The 10th Award Summit of the World Book of Records, London will take place in the Palace of Westminster, British Parliament. Dr. Manju Baghmar has been invited to attend this event on 26 June 2026 with a special invitation.

3.Dr. Manju Baghmar's work was appreciated by the World Book of Records, London in which of the following area?

A) Education, health and social service, female empowerment and public welfare

B) Energy and water conservation

C) The promotion of tourism, the mining sector and urban transport.

D) Environmental protection and ecology

Answer: A) Education, social service, Women Empowerment and Public Welfare

Explanation : Dr. Manju Baghmar's contribution in the sphere of public welfare, women empowerment, social service and education was recognized by the World Book of Records, London. This was highlighted by her work as a professor and her ongoing efforts as a teacher for women, children and social awareness.

राजस्थान की राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा अंतरराष्ट्रीय सम्मान

राजस्थान की महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। उन्हें ब्रिटिश संसद के पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर में आयोजित होने वाले 10वें अवॉर्ड समिट के लिए विशेष आमंत्रण दिया गया है। यह समारोह 26 जून 2026 को लंदन में आयोजित होगा। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन के वाइस प्रेसिडेंट सुशील गायकवाड़ ने व्यक्तिगत रूप से उन्हें यह सम्मान और आमंत्रण प्रदान किया। डॉ. बाघमार के शिक्षा, समाज सेवा, महिला सशक्तीकरण और जनहित से जुड़े कार्यों की सराहना की गई है। इस वैश्विक मंच पर उनकी उपस्थिति राजस्थान और भारत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

RASonly

सम्मान की मुख्य विशेषताएं

• डॉ. मंजू बाघमार राजस्थान की महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री हैं।

• उन्हें वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा आमंत्रित किया गया है।

• 10वां अवॉर्ड समिट 26 जून 2026 को आयोजित होगा।

• समारोह का स्थान पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर, ब्रिटिश संसद, लंदन होगा।

• वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन के वाइस प्रेसिडेंट सुशील गायकवाड़ ने व्यक्तिगत रूप से सम्मान और आमंत्रण प्रदान किया।

• शिक्षा, समाज सेवा, महिला सशक्तीकरण और जनहित के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की गई।

• इससे पहले यही अंतरराष्ट्रीय सम्मान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी प्रदान किया गया था।

• समारोह में विश्वभर के मंत्री, राजनयिक, शिक्षाविद, सामाजिक नेतृत्वकर्ता और विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियां भाग लेंगी।

डॉ. मंजू बाघमार का योगदान

शैक्षणिक योगदान

• डॉ. मंजू बाघमार ने उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में सेवाएं दी हैं।

• शिक्षा, विद्यार्थियों के मार्गदर्शन और अकादमिक क्षेत्र में उनका योगदान सम्मानित माना जाता है।

• उन्होंने शिक्षा और सामाजिक चेतना को जोड़ने वाली कई प्रेरणादायी पहल कीं।

सामाजिक और जनकल्याणकारी योगदान

• सक्रिय राजनीतिक जीवन के बावजूद डॉ. बाघमार सामाजिक सरोकारों से जुड़ी रही हैं।

• महिला शिक्षा, बाल विकास और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में उनकी सक्रिय भूमिका रही है।

• जरूरतमंद वर्गों के सहयोग से जुड़े अभियानों में भी उनका योगदान रहा है।

• संवेदनशील नेतृत्व और समाज के प्रति समर्पण ने उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई।

राजस्थान के लिए महत्व

शासन और सामाजिक महत्व

• यह सम्मान वैश्विक मंचों पर राजस्थान की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाता है।

• इससे सार्वजनिक जीवन में महिला नेतृत्व के महत्व पर ध्यान जाता है।

• यह शिक्षा, समाज सेवा और महिला सशक्तीकरण के आपसी संबंध को रेखांकित करता है।

RASonly

• इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान के जनप्रतिनिधियों की सकारात्मक छवि मजबूत होती है।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा के लिए महत्व

• यह विषय राजस्थान की समसामयिक घटनाओं में शासन और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ा हुआ है।

• महिला सशक्तीकरण और सार्वजनिक नेतृत्व से जुड़े प्रश्नों के लिए महत्वपूर्ण है।

• इसे महिला एवं बाल विकास, शिक्षा और सामाजिक कल्याण जैसे विषयों से जोड़ा जा सकता है।

• समारोह की तिथि, स्थान और संस्था प्रारंभिक परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण तथ्य हो सकते हैं।

निष्कर्ष

डॉ. मंजू बाघमार को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान राजस्थान के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर में आयोजित 10वें अवॉर्ड समिट में उनका आमंत्रण शिक्षा, महिला सशक्तीकरण, समाज सेवा और जनहित के क्षेत्र में उनके योगदान को दर्शाता है। यह सम्मान राजस्थान के नेतृत्व की बढ़ती वैश्विक पहचान को भी मजबूत करता है।

प्रश्न

1. डॉ. मंजू बाघमार को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा किस कार्यक्रम के लिए विशेष आमंत्रण दिया गया है?

A) वैश्विक महिला नेतृत्व मंच
B) 10वां अवॉर्ड समिट
C) अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन
D) राष्ट्रमंडल सामाजिक सेवा सम्मेलन

उत्तर: B) 10वां अवॉर्ड समिट

व्याख्या: राजस्थान की महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा 10वें अवॉर्ड समिट में शामिल होने के लिए विशेष आमंत्रण दिया गया है। यह कार्यक्रम 26 जून 2026 को ब्रिटिश संसद के पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर में आयोजित होगा।

---

2. वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन का 10वां अवॉर्ड समिट कहां आयोजित होगा?

A) राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली
B) संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय, न्यूयॉर्क
C) पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर, ब्रिटिश संसद
D) मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

उत्तर: C) पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर, ब्रिटिश संसद

RASonly

व्याख्या: वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन का 10वां अवॉर्ड समिट ब्रिटिश संसद के पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर में आयोजित होगा। डॉ. मंजू बाघमार को इस समारोह के लिए विशेष आमंत्रण दिया गया है, जो 26 जून 2026 को लंदन में आयोजित होगा।

---

3. वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा डॉ. मंजू बाघमार के किन क्षेत्रों में योगदान की सराहना की गई?

A) शिक्षा, समाज सेवा, महिला सशक्तीकरण और जनहित
B) रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष अनुसंधान और औद्योगिक निवेश
C) पर्यटन प्रोत्साहन, खनन और शहरी परिवहन
D) खेल प्रशासन, वन संरक्षण और निर्यात नीति

उत्तर: A) शिक्षा, समाज सेवा, महिला सशक्तीकरण और जनहित

व्याख्या: वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा डॉ. मंजू बाघमार के शिक्षा, समाज सेवा, महिला सशक्तीकरण और जनहित से जुड़े कार्यों की सराहना की गई। प्रोफेसर के रूप में उनकी सेवाएं और महिला शिक्षा, बाल विकास तथा सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में उनका योगदान इस सम्मान का प्रमुख आधार माना गया है।

Amit Shah's Visit to BSF Sanchu Post in Bikaner and Border Security Measures

Union Home and Cooperation Minister Amit Shah visited BSF Sanchu Post on the international Border at Bikaner and addressed a Prahari Sammelan there. Rajasthan Chief Minister Bhajanlal Sharma was also with them on the visit. Amit Shah congratulated the gallantry, dedication and sacrifice of BSF officers deployed in challenging environments like heavy rain, extreme heat, thick forest or snow clad mountain areas. He said BSF has also contributed significantly in Operation Sindoor to build confidence in the border areas and responded strongly to Pakistan. He also promised to give modern technology and improved facilities to BSF personnel deployed on Indian borders by the Central Government.

Key Highlights of the Visit

- Union Home Minister Amit Shah visited BSF's Sanchu Post, Bikaner.
- He spoke at a Prahari Sammelan at the International Border.
- The Chief Minister, Bhajanlal Sharma, also spoke with the jawans.
- BSF has contributed significantly in Operation Sindoor, Amit Shah claimed.
- He congratulated the courage and sacrifice of the BSF personnel.
- He e-inaugurated 14 newly constructed Women Barracks in Border Posts.
- He went to the Prahari Shastra Gallery and he gave his review on the technology of the modern drone.
- He planted a tree Khejri and delivered a message of environmental protection.
- The Chief Minister also planted a sapling at Swami Keshwanand Rajasthan Agricultural University, Bikaner.

Major Announcements and Security Focus

Modernisation of Border Security

- Amit Shah pointed out that the Central Government has made significant changes in the border security system since 2014.
- The Army and BSF have been re-equipped and upgraded with cutting-edge equipment and resources.
- The government has taken the policy of responding strongly to the terrorism.
- Modern technology and better facilities will be given on Indian frontiers to BSF.

Women Personnel and Border Infrastructure

- Amit Shah said that women have taken two steps forward ahead of men in protecting the country's borders.
- By 2030, all facilities will be provided to the woman personnel by the Central Government.
- For women, 79 barracks are sanctioned in BSF posts at the border posts in Rajasthan, at a cost of ₹40 crore.

RASonly

- Of these, 67 barracks have been finished and the 14 barracks inaugurated during the visit.
- The other 12 barracks will be made in the near future.

A total of 360 barracks will be built at the expense of ₹200 crore at the border posts across India.

Historical Importance of Sanchu Post

The 1965 India-Pakistan War was linked by the article.

Amit Shah called Sanchu Post a ' Historic Border Post'.

Sanchu was once a site of interest for Pakistan during the India-Pakistan war in 1965.

A 3 RAC post was situated at Ranjitpura some 25 kilometres away at the time.

This is a strong attack by the soldiers of 13 Grenadiers after being informed about Pakistan.

Indian soldiers saved Sanchu and Pakistan got defeated.

Later, the 3 RAC was renamed the 12th Battalion of BSF.

Every year, this post is the venue of Sanchu Vijay Diwas.

Border Development and Security Grid

Infrastructure on International Border

- The Central Government is building a 1096 km long lateral road and a 520 km long axial road along the International Border.
- These will enhance the mobility and connectivity of jawans on these roads.

Installing new-design fencing on borders.

- 180 border posts have been supplied drinking water via pipelines.
- Anti-drone systems will start being installed within the next 6 months.

Four-Dimensional Security Grid

- Amit Shah demanded robust security arrangement of four dimensions in the region, which includes BSF, Army, the alert citizens and the administration.
- BSF has been requested to monitor the activities of cross border encroachment, smuggling and infiltration activities.
- He also requested BSF to inform the state governments regarding the issue of manipulation of the population in the border areas.
- Also, the civil and police authorities were requested to watch drone use closely.

RASonly

- The BSF plays an environmental and social role.BSF is playing an environmental and social role.

Contribution in Plantation

- Amit Shah paid tribute to over 2000 martyrs of BSF who laid their lives for the security of India's borders.
- He stated that BSF personnel have contributed significantly towards plantation.
- In 2019 a special plantation campaign was initiated on borders.
- Till now, jawans have planted 7,35 lakh saplings.
- These efforts will aid in combating climate change and keeping the earth's temperature in the future.

Outreach with Youth

- Amit Shah urged the BSF officers to engage with the school children, adolescent and youth on a regular basis.
- BSF should assist in reaching the last person for the delivery of Central and State Government schemes, said.
- This involvement can help to enhance awareness, national security and public involvement in border regions.

Each of these sections is relevant to the exam.

- It is very relevant for the current affairs of internal security and governance of Rajasthan.
- Helpful for BSF infrastructure, border management and national security related questions.
- Factual questions are important in which the context of Sanchu Post and its connection with the war of 1965 is relevant to the question specific to Rajasthan.
- Data regarding women barracks, plantation, border roads, and anti-drone systems may be pertinent in the prelims.
- The topic is related to the issues of security, environment, women participation and cross-border development.

Conclusion

The government is keen on modernising the BSF by enhancing the infrastructure and welfare of its personnel and the visit of Amit Shah to BSF Sanchu Post reflects this, said the Press Information Bureau. The e-inauguration of women barracks, review of drone technology, focus on anti-drone system and call for a four-dimensional security grid reflect an all-encompassing approach to border

RASonly

management. The visit also highlighted the historical significance of Sanchu Post and the contribution of BSF personnel towards the environment.

MCQs

- Amit Shah, the Union Home Minister, paid a visit to which post of BSF in Bikaner on the international border?

A) Tanot Post

B) Sanchu Post

C) Munabao Post

D) Longewala Post

Answer: B) Sanchu Post

Explanation : Union Home and Cooperation Minister, Amit Shah visited BSF Sanchu Post at the international border of Bikaner. He held a Prahari Sammelan there, and interacted with jawans along with the Chief Minister of Rajasthan Bhajanlal Sharma. The visit was on the question of Border security, Modernisation of BSF, Women barracks, Protection of environment and Historical importance of Sanchu Post.

2.How many new women barracks did Union Home Minister Amit Shah e-inaugurate during the visit?

A) 12

B) 40

C) 14

D) 79

Answer: C) 14

Explanation : Union Home Minister Amit Shah e-inaugurated 14 newly constructed women barracks at the BSF's Sanchu Post in Bikaner during his visit here. Out of 79 barracks sanctioned for women personnel at a cost of ₹40 crore in Rajasthan, 67 have been completed including the 14 barracks that were inaugurated during the visit.

3.In what combination was a strong 4 dimensional security grid suggested for border security?

A) BSF, Army, alert and warn citizens and administration

B) Police, forest department, schools and universities

RASonly

C) Village communities, Non-Governmental Organisations, industries and transport department.

D) Tourism department, civil defence, banks and local markets

Answer : A) BSF, Army, alert citizens and administration

Explanation : The BSF, Army, the citizens and the administration should form a strong four dimensional security grid to ensure impenetrable border security, Amit Shah said. He also emphasized the necessity to follow up the cross-border encroachment, smuggling, infiltration, use of drones, as well as artificial demographic changes in border regions.

बीकानेर की सांचू चौकी पर अमित शाह का दौरा और सीमा सुरक्षा उपाय

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बीकानेर स्थित अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल की सांचू चौकी का दौरा किया और प्रहरी सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहे। अमित शाह ने तेज बारिश, अत्यधिक तापमान, घने जंगल और बर्फीली चोटियों जैसी कठिन परिस्थितियों में तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साहस, समर्पण और बलिदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि सिंदूर अभियान के दौरान सीमा सुरक्षा बल ने सीमावर्ती जिलों के नागरिकों का मनोबल बनाए रखने और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने आश्वासन दिया कि केन्द्र सरकार भारतीय सीमाओं पर तैनात सीमा सुरक्षा बल को आधुनिक तकनीक और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।

दौरे की मुख्य विशेषताएं

• केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीकानेर की सीमा सुरक्षा बल सांचू चौकी का दौरा किया।

• उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर प्रहरी सम्मेलन को संबोधित किया।

• मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी जवानों से संवाद किया।

• अमित शाह ने कहा कि सिंदूर अभियान में सीमा सुरक्षा बल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

• उन्होंने सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साहस और बलिदान की सराहना की।

• उन्होंने सीमा चौकियों पर नवनिर्मित 14 महिला बैरकों का ई-लोकार्पण किया।

• उन्होंने प्रहरी शस्त्र गैलरी का अवलोकन किया और आधुनिक मानवरहित विमान तकनीक की जानकारी ली।

• उन्होंने खेजड़ी का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

• मुख्यमंत्री ने भी बीकानेर के स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पौधारोपण किया।

RASonly

प्रमुख घोषणाएं और सुरक्षा पर विशेष ध्यान

सीमा सुरक्षा का आधुनिकीकरण

• अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2014 से केन्द्र सरकार ने सीमा सुरक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव किए हैं।

• सेना और सीमा सुरक्षा बल को आधुनिक उपकरणों और संसाधनों से सुसज्जित किया गया है।

• सरकार ने आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने की नीति अपनाई है।

• भारतीय सीमाओं पर सीमा सुरक्षा बल को आधुनिक तकनीक और बेहतर सुविधाएं दी जाएंगी।

महिला कर्मी और सीमा आधारभूत ढांचा

• अमित शाह ने कहा कि देश की सीमाओं की सुरक्षा में बेटियां बेटों से 2 कदम आगे हैं।

• केन्द्र सरकार वर्ष 2030 तक महिला कर्मियों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।

• राजस्थान में सीमा सुरक्षा बल की सीमा चौकियों पर महिला कर्मियों के लिए 40 करोड़ रुपये की लागत से 79 बैरक स्वीकृत किए गए हैं।

• इनमें से 67 बैरकों का कार्य पूरा हो चुका है, जिसमें दौरे के दौरान लोकार्पित 14 बैरक भी शामिल हैं।

• शेष 12 बैरकों का कार्य जल्द पूरा किया जाएगा।

• देश की सीमा चौकियों पर 200 करोड़ रुपये की लागत से 360 बैरक बनाए जा रहे हैं।

सांचू चौकी का ऐतिहासिक महत्व

1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध से संबंध

• अमित शाह ने सांचू चौकी को ऐतिहासिक सीमा चौकी बताया।

• वर्ष 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पाकिस्तान ने सांचू पर कब्जा करने का प्रयास किया था।

• उस समय यहां से लगभग 25 किलोमीटर दूर रणजीतपुरा में 3 आरएसी की चौकी थी।

• सूचना मिलने पर 13 ग्रेनेडियर के जवानों ने पाकिस्तान पर भीषण हमला किया।

• भारतीय जवानों ने सांचू को सुरक्षित रखा और पाकिस्तान को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया।

• 3 आरएसी बाद में सीमा सुरक्षा बल की 12वीं वाहिनी बन गई।

• इस चौकी पर प्रतिवर्ष सांचू विजय दिवस मनाया जाता है।

सीमा विकास और सुरक्षा व्यवस्था

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर आधारभूत ढांचा

• केन्द्र सरकार अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 1096 किलोमीटर लंबी लिटरल रोड और 520 किलोमीटर लंबी एक्सियल रोड बना रही है।

• इन सड़कों से जवानों की आवाजाही और संपर्क सुविधा बेहतर होगी।

RASonly

• सीमाओं पर नई डिजाइन की फेंसिंग की जा रही है।

• 180 सीमा चौकियों पर पाइपलाइन से पेयजल पहुंचाने का काम पूरा किया गया है।

• अगले 6 माह में मानवरहित विमान रोधी प्रणाली लगाने की शुरुआत की जाएगी।

चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड

• अमित शाह ने सीमा सुरक्षा के लिए सीमा सुरक्षा बल, सेना, जागरूक नागरिकों और प्रशासन की मजबूत चतुष्कोणीय सुरक्षा व्यवस्था बनाने पर जोर दिया।

• सीमा सुरक्षा बल को सीमापार अतिक्रमण, तस्करी और घुसपैठ पर पैनी नजर रखने के लिए कहा गया।

• उन्होंने सीमा क्षेत्रों में कृत्रिम जनसांख्यिकीय बदलाव होने पर राज्य सरकारों को सतर्क करने की बात कही।

• नागरिक प्रशासन और पुलिस को भी मानवरहित विमान के उपयोग पर सतर्क निगरानी रखने के लिए कहा गया।

सीमा सुरक्षा बल की पर्यावरणीय और सामाजिक भूमिका

पौधारोपण में योगदान

• अमित शाह ने भारत की सीमा सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सीमा सुरक्षा बल के 2,000 से अधिक शहीदों को नमन किया।

• उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने पौधारोपण में बड़ा योगदान दिया है।

• वर्ष 2019 में सीमाओं पर पौधारोपण की विशेष मुहिम शुरू की गई थी।

• अब तक जवानों द्वारा 7 करोड़ 35 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं।

• ये प्रयास भविष्य में जलवायु परिवर्तन से निपटने और पृथ्वी के तापमान को संतुलित रखने में सहायक होंगे।

युवाओं से संवाद

• अमित शाह ने सीमा सुरक्षा बल के जवानों से स्कूली बच्चों, किशोरों और युवाओं से नियमित संवाद करने को कहा।

• उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल को केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सहयोग करना चाहिए।

• इससे सीमावर्ती क्षेत्रों में जागरूकता, राष्ट्रीय सुरक्षा और जनभागीदारी को मजबूती मिलेगी।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा के लिए महत्व

• यह विषय राजस्थान की समसामयिक घटनाओं में आंतरिक सुरक्षा और शासन से जुड़ा हुआ है।

• सीमा सुरक्षा बल के आधारभूत ढांचे, सीमा प्रबंधन और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों के लिए उपयोगी है।

RASonly

• सांचू चौकी और 1965 के युद्ध से उसका संबंध राजस्थान-विशेष तथ्यों के लिए महत्वपूर्ण है।

• महिला बैरकों, पौधारोपण, सीमा सड़कों और मानवरहित विमान रोधी प्रणाली से जुड़े तथ्य प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी हो सकते हैं।

• यह विषय सुरक्षा, पर्यावरण, महिला भागीदारी और सीमावर्ती क्षेत्र विकास को आपस में जोड़ता है।

निष्कर्ष

अमित शाह का सीमा सुरक्षा बल की सांचू चौकी का दौरा आधुनिक सीमा सुरक्षा, बेहतर आधारभूत ढांचे और जवानों के कल्याण पर सरकार के ध्यान को दर्शाता है। महिला बैरकों का ई-लोकार्पण, मानवरहित विमान तकनीक की समीक्षा, मानवरहित विमान रोधी प्रणाली पर जोर और चतुष्कोणीय सुरक्षा व्यवस्था का आह्वान सीमा प्रबंधन के व्यापक दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है। इस दौरे ने सांचू चौकी के ऐतिहासिक महत्व और सीमा सुरक्षा बल के पर्यावरणीय योगदान को भी रेखांकित किया।

प्रश्न

1. केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीकानेर स्थित अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल की किस चौकी का दौरा किया?

A) तनोट चौकी
B) सांचू चौकी
C) मुनाबाव चौकी
D) लोंगेवाला चौकी

उत्तर: B) सांचू चौकी

व्याख्या: केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बीकानेर स्थित अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल की सांचू चौकी का दौरा किया। उन्होंने वहां प्रहरी सम्मेलन को संबोधित किया और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ जवानों से संवाद किया। इस दौरे में सीमा सुरक्षा, सीमा सुरक्षा बल के आधुनिकीकरण, महिला बैरकों, पर्यावरण संरक्षण और सांचू चौकी के ऐतिहासिक महत्व पर विशेष ध्यान दिया गया।

---

2. केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दौरे के दौरान कितनी नवनिर्मित महिला बैरकों का ई-लोकार्पण किया?

A) 12
B) 40
C) 14
D) 79

उत्तर: C) 14

व्याख्या: बीकानेर की सीमा सुरक्षा बल सांचू चौकी के दौरे के दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीमा चौकियों पर नवनिर्मित 14 महिला बैरकों का ई-लोकार्पण किया। राजस्थान में महिला कर्मियों

RASonly

के लिए 40 करोड़ रुपये की लागत से 79 बैरक स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 67 का कार्य पूरा हो चुका है। इन 67 में लोकार्पित 14 बैरक भी शामिल हैं।

---

3. सीमा सुरक्षा के लिए मजबूत चतुष्कोणीय सुरक्षा व्यवस्था में किन घटकों को शामिल करने की बात कही गई?

A) सीमा सुरक्षा बल, सेना, जागरूक नागरिक और प्रशासन
B) पुलिस, वन विभाग, विद्यालय और विश्वविद्यालय
C) ग्राम समुदाय, स्वयंसेवी संगठन, उद्योग और परिवहन विभाग
D) पर्यटन विभाग, नागरिक सुरक्षा, बैंक और स्थानीय बाजार

उत्तर: A) सीमा सुरक्षा बल, सेना, जागरूक नागरिक और प्रशासन

व्याख्या: अमित शाह ने कहा कि सीमाओं की अभेद्य सुरक्षा के लिए सीमा सुरक्षा बल, सेना, जागरूक नागरिक और प्रशासन को मिलकर मजबूत चतुष्कोणीय सुरक्षा व्यवस्था बनानी चाहिए। उन्होंने सीमापार अतिक्रमण, तस्करी, घुसपैठ, मानवरहित विमान के उपयोग और सीमावर्ती क्षेत्रों में कृत्रिम जनसांख्यिकीय बदलाव पर भी सतर्क निगरानी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

RASonly